DEPARTMENT OF CHEMISTRY

(1 Day Webinar on Polymer: Structure, Property-Relations and applications)

Resource Person: Dr. J.B. Dahiya

Date : 10 Nov, 2020

DAYANAND COLLEGE,HISAR

Accredited with 'A' Grade by NAAC

Governed by DAV College Managing Committee ,New Delhi

Affiliated to Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar

Department of Chemistry

Invites you to join a

National Level Webinar

On

Polymer: Structure, Property-Relations and Applications

Date: 10 Nov, 2020 Time: 12:30 PM

Resource Person:

Dr. J.B. Dahiya

Dean, Faculty of Physical Sciences & Technology

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Convener

M.L Garg
Head, Dept. of Chemistry

Patron

Dr. Vikramjit Singh
Principal

Principal
Dayanand College.
HISAR

पॉलिमर्स मानव जीवन का हिस्सा : डॉ. दहिया

हिसार/10 नवंबर/रिपोर्टर

सदियों से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पॉलिमर्स जैसे लकड़ी, ऊन, रबड़, चमड़ा, सिल्क इत्यादि मानव के जीवन का हिस्सा रहा है। जैसे-जैसे मानव जीवन में कृत्रिम पॉलिमर्स का उपयोग अधिक होने लगा है, उसके साथ ही इसकी संरचना एवं गुणों के विषय में अनुसंधान की उपयोगिता की जरूरत बढ़ रही है। यह शब्द दयानन्द कॉलेज के रसायन विभाग द्वारा 'पॉलिमर्स की आज के युग में उपयोगिकता' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में फिजिकल साईंस एवं प्रोद्यौगिकी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. जय भगवान दहिया ने कहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में पॉलिमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक जीवन के लिए शीशे जैसे पॉलिमर्स की उपयोगिता मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में प्लास्टिक की उपयोगिता ट्रांसपोर्ट, डिफैन्स, इलैक्ट्रिकल, और इलैक्ट्रॉनिक, मैडिकल इत्यादि में इसकी उपयोगिता प्रमाणित हुई है। मैडिकल साईस के क्षेत्र में पॉलिमर्स पर अनुसंधान हो रही है जो मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होगी। साथ ही डॉ. दहिया ने मानव जाति को सचेत किया कि मैडिकल उपयोग में पॉलिमर्स एक चुनौती बनी हुई है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि डॉ. दहिया इसी महाविद्यालय के छात्र रहे हैं तथा आज अपने ही महाविद्यालय में वह मुख्य वक्ता के रूप में वैबिनार को सम्बोधित कर रहे हैं। उन्होंने आयोजक समिति के सदस्यों एमएल गर्ग, विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग, डॉ. सुनीता लेगा, प्राध्यापिका, डॉ. अर्चना मलिक को इस वैबिनार के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

डीएन कॉलेज में पॉलीमर्स की आज के युग में उपयोगिता विषय पर वेबिनार

हिसार | दयानंद कॉलेज के रसायन विभाग ने पॉलीमर्स की आज के युग में उपयोगिता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जीजेयू के फिजिकल साइंस एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. जयभगवान दहिया मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सदियों से प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पॉलीमर्स जैसे लकड़ी, ऊन, रबड़, चमड़ा, सिल्क इत्यादि मानव के जीवन का हिस्सा रहा है। जैसे-जैसे मानव जीवन में कृत्रिम पॉलीमर्स का उपयोग अधिक होने लगा है, उसके साथ ही इसकी संरचना एवं गुणों के विषय में अनुसंधान की उपयोगिता की जरूरत बढ़ रही है। मनुष्य के जीवन में पॉलीमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक जीवन के लिए शीशे जैसे पॉलिमर्स की उपयोगिता मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

Principal
Dayanand College.
HISAR